भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

18.12.2024 के

तारांकित प्रश्न सं. 335 का उत्तर

उत्तर प्रदेश में निजी कंपनियों द्वारा संचालित मालगाड़ियां

***335. श्री उत्कर्ष वर्मा मधुर:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उत्तर प्रदेश में निजी कंपनियों द्वारा संचालित मालगाड़ियों की संख्या का ब्यौरा क्या है;

(ख) लखीमपुर से गुजरने वाली मालगाड़ियों की संख्या कितनी है और उक्त मालगाड़ियों में से निजी कंपनियों द्वारा संचालित मालगाड़ियों की संख्या कितनी है;

(ग) क्या सरकार का समर्पित मालवहन गलियारा बनाने का प्रस्ताव है क्योंकि सामान्य रेलपथ पर अधिक मालगाड़ियों के संचालन से यात्री रेलगाड़ियों का संचालन प्रभावित होता है जिसके परिणामस्वरूप यात्री रेलगाड़ियां देरी से चलती हैं, वे स्टेशनों पर कम समय के लिए ठहर पाती हैं और उनके आगमन और प्रस्थान का समय भी बाधित होता है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) उत्तर प्रदेश में लखीमपुर क्षेत्र, जिसे चीनी का कटोरा भी कहा जाता है और जहां नौ बड़ी और कई अन्य छोटी चीनी मिलें हैं, के विकास के लिए सरकार द्वारा बनाई गई विभिन्न योजनाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 18.12.2024 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 335 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ): भारतीय रेल नेटवर्क पर, गाड़ियों का परिचालन केवल भारतीय रेल द्वारा नियंत्रित किया जाता है।

रेल मंत्रालय ने दो समर्पित माल यातायात गलियारों यथा लुधियाना से सोननगर (1337 किलोमीटर) तक पूर्वी समर्पित माल यातायात गलियारा और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल से दादरी (1506 किलोमीटर) तक पश्चिमी समर्पित माल यातायात गलियारा का निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्वी समर्पित माल यातायात गलियारे के कुल मार्ग की लंबाई 1078 किलोमीटर (गंज ख्वाजा स्टेशन से पिलखनी स्टेशन तक) है।

पूर्वी समर्पित माल यातायात गलियारे को पूरी तरह से कमीशन करके चालू कर दिया गया है, जिस पर वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल से अक्टूबर) के दौरान 41,054 मालगाड़ियाँ चलाई गईं।

हाल ही में, खीरी से गुजरने वाली रेल लाइन को बड़ी लाइन में परिवर्तित किया गया है।

रेल मंत्रालय ने भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' शुरू की है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है।

इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और प्लेटफॉर्म के ऊपर कवर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव

लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल हैं।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध एवं व्यवहार्यता के अनुसार स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण, मल्टी-मॉडल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से लखीमपुर रेलवे स्टेशन सहित 157 स्टेशन उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित हैं। उत्तर प्रदेश राज्य में इस योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
उत्तर प्रदेश	157	अछनेरा, आगरा कैंट, आगरा फोर्ट, ऐशबाग, अकबरपुर जंक्शन, अलीगढ़, अमेठी, अमरोहा, आनंद नगर, आंवला, अयोध्या, आजमगढ़, बाबतपुर, बछरावां, बदायूं, बादशाहनगर, बादशाहपुर, बहेरी, बहराइच, बलिया, बालामऊ, बलरामपुर, बनारस, बांदा, बाराबंकी जंक्शन, बरेली, बरेली सिटी, बरहनी, बस्ती, बेल्थरा रोड, भदोही, भरतकुंड, भटनी, भूतेश्वर, बिजनौर, बुलंदशहर, चंदौली मझवार, चंदौसी, चिलबिला, चित्रकूट धाम, कार्वी, चोपन, चुनार जंक्शन, डालीगंज, दर्शन नगर, देवरिया सदर, धामपुर,

		दिलदारनगर, इटावा जंक्शन, फर्रुखाबाद, फतेहाबाद, फतेहपुर, फतेहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, गजरौला, गढ़मुक्तेश्वर, गौरीगंज, घाटमपुर, गाजियाबाद, गाजीपुर सिटी, गोला गोकर्णनाथ, गोमतीनगर, गोंडा, गोरखपुर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, गुरसहायगंज, हैदरगढ़, हापुड़, हरदोई, हाथरस सिटी, ईदगाह, इज्जतनगर, जंघई जंक्शन, जौनपुर सिटी, जौनपुर जंक्शन, कन्नौज, कानपुर अनवरगंज, कानपुर ब्रिज लेफ्ट बैंक, कानपुर सेंट्रल, कप्तानगंज, कासगंज, काशी, खलीलाबाद, खुर्जा जंक्शन, कोसी कलां, खोरसन रोड, कुंडा हरनामगंज, लखीमपुर, लालगंज, ललितपुर, लंभुआ, लोहता, लखनऊ (चारबाग एवं जंक्शन), लखनऊ सिटी, मगहर, महोबा, मैलानी, मैनपुरी जंक्शन, मल्हौर जंक्शन, मानकनगर जंक्शन, मानिकपुर जंक्शन, मरिआहू, मथुरा, मऊ, मेरठ सिटी, मिर्जापुर, मोदी नगर, मोहनलालगंज, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, नगीना, नजीबाबाद जंक्शन, निहालगढ़, उरई, पनकी धाम, फाफामऊ जंक्शन, फूलपुर, पीलीभीत, पोखरायां, प्रतापगढ़ जंक्शन, प्रयाग जंक्शन, प्रयागराज, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, रायबरेली जंक्शन, राजा की मंडी, रामघाट हॉल्ट, रामपुर, रेनूकूट, सहारनपुर जंक्शन, सलेमपुर, सेवहरा, शाहगंज जंक्शन, शाहजहाँपुर, शामली, शिकोहाबाद जंक्शन, शिवपुर, सिद्धार्थनगर, सीतापुर जंक्शन, सोनभद्र, श्रीकृष्ण नगर, सुल्तानपुर जंक्शन, सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छप्पिया, टकिया, तुलसीपुर, टूंडला जंक्शन, ऊझानी, ऊंचाहार, उन्नाव जंक्शन, उतरेतिया जंक्शन, वाराणसी कैंट, वाराणसी सिटी, विंध्याचल, वीरांगना लक्ष्मीबाई, व्यासनगर, जाफराबाद

उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित 157 अमृत स्टेशनों में से लखीमपुर स्टेशन सहित 148 स्टेशनों पर विकास कार्यों के लिए निविदाएं प्रदान कर दी गई हैं तथा कार्य शुरू कर दिए गए हैं। लखीमपुर स्टेशन पर प्रतीक्षालय में सुधार, विश्रामगृह, प्लेटफार्म शेल्टर, प्रवेश-निकास द्वार, दिव्यांगजनों के लिए रैंप और स्पर्शनीय पथ का निर्माण संबंधी कार्य पूरे कर लिए गए हैं तथा परिचलन क्षेत्र, शौचालय ब्लॉक, लैंडस्केपिंग आदि के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

इसके अलावा, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण को आम तौर पर योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन का विवरण क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार। उत्तर प्रदेश राज्य पांच क्षेत्रीय रेलों नामतः उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा कवर किया जाता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए वित्त वर्ष 2024-25 के लिए योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत 5,930 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है।

दिनांक 01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली 92,001 करोड़ रुपए लागत और 5,874 किलोमीटर कुल लंबाई की 68 रेल परियोजनाएं (16 नई लाइनें, 03 आमान परिवर्तन और 49 दोहरीकरण) योजना और कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं जिनमें से 1,313 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 28,366 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। कार्यों की स्थिति का सारांश निम्नानुसार है:-

योजना शीर्ष	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च, 2024 तक किया गया व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	16	1740	297	8672
आमान परिवर्तन	3	261	0	26
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	49	3873	1016	19668
कुल	68	5874	1313	28366

वर्ष 2014 से, भारतीय रेल में परियोजनाओं के लिए निधि आवंटन तथा तदनुरूपी कमीशनिंग में पर्याप्त वृद्धि की गई है। उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	औसत परिव्यय	2009-14 के औसत आवंटन की तुलना में परिव्यय में वृद्धि
2009-14	1,109 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष	-
2024-25	19,848 करोड़ रुपए	लगभग 18 गुना

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों की औसत वार्षिक कमीशनिंग का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशनिंग	2009-14 के दौरान औसत वार्षिक कमीशनिंग की तुलना में वृद्धि
2009-14	199.2 किलोमीटर प्रतिवर्ष	-
2014-24	490.2 किलोमीटर प्रतिवर्ष	2.46 गुना से अधिक

*****